

॥ रथं लिखला इयं दुर्नवा स कथा हा न पूजायाया ॥ दक्षता दैर्घ्य निपातवद्वाया ॥ पूरूप विग्नमाया नय अणुः
 विविधवस्तुवियग्नयग्न्यावियघालिगस्यसंवासा नगकं श्रवसासाधजनवाचकी ॥ दक्षितकयाहन
 ॥ पूर्वैरुत्तरमखिवसूर्यो जालार्कवृक्षचूदनियां ॥ चौकाजवसिथयक ॥ पविगासशुनक ॥ छिन्नः
 क ॥ पंलाद्युक्ति ॥ वाकुमनकुयक ॥ घात ॥ केनके ॥ जामिर्वाग ॥ सगनच्छायदक्षता ॥ र
 नपूजा ॥ जाकुससमर्वयो कगतवक ॥ ॥ गुरुसम्बन्ध ॥ नरुगुनगुरुचथाक ॥ अर्जुनव
 प्रकृद्गुणालिगप्रयासासवाठयवसिस्तावकयागशीपूजावाङ्गुवाहायमखंवाहाययात्रत्वपनिद
 वशउपाध्याहासिकमगुवियाहानरुडशकर्मवावगुलपनिश ॥ महानवसग्नकवधप्रसिंह ॥ मन

माहानशधनडाहा॥धकद्रूपजामठाव॥ ॥धसनिदिनपक्षमीवृद्धवायकद्रूपवसिह्नाअनपूजा
 यानकवलियागजधपनायासंगुनमधुलसमाधिसम्बनमगथापेनडासिपूजा॥वलिवियाह्नाहा
 यकावलिरूजा॥पासाकखिजग्वारुसिभं १मसर्क१वाकवनदवीपूजा॥कनकासय
 नमाहनिष्ठाया॥दरुकापूजावर्कजान्द्रिसका ॥यासमयावर्कधकाउडासिसावका॥तवं ३
 कोमहयावाकननाथनाद्यावर्क४०डावर्क
 द्रु॥गजवकसिपरि॥धकद्रूपथि॥ ॥धसनिद्रुकागुलमु४वृहस्पतिवायकद्रूपअसिह्ना
 वनवलियाग१विस्मयपूजाउडासीपूजा॥वाकपूजा॥वाहानखिजग्वारु॥कनकाविशर्जनसंयोवलि

वसिह्नाकहावर्कअनगया॥सकवकाया॥सिसावकातवंकाहावयावपागाससंथवसिवागधनवसवा
 वकद्रूपथि॥ ॥धसनिद्रुकागुलमु४वृहस्पतिवायकद्रूपअसिह्ना ॥सिह्नाअनवलिविस्मयपूजावर्कविधि॥ ॥सिसावका
 ॥४०नायकासमयापि०डावृत्रिनाकथासंवलि
 वरुत्रिलाकथासंथनकुनवलियाग१दावपाग
 काकवविमर्जनवलिरूजासिह्नाकाकउयक
 सिमाअचलिखसिमच्चिककव्याहसवलियाग१दावपाग४वियापूजावर्कविधि॥अननिसंसावका
 गवकिखनवीवपावनकावृत्रनिथसंगकगयाधकद्रूपथि॥ ॥धसनिद्रुकागुलमु४वृहस्पतिवाहनीः

गान्धिव्याय॥ जयपुकाभमन्त्रशुशुपजपमानदसकिं॥ लयांवापयांगमयांअहावसायांरुवावसिचिडा
वपावस॥ धापैर्यावथसापिमरुधकुरुथप्रिथन॥ ॥धसगिकुरुहागुलमुहेरजादियवाभमृगाभिः
ननकुरु॥ नवसिहवत्रवालिवियापाशकुरुसि
काभमन्त्रशुशुदभकनकसकलावव॥ गलसद
१पूर्ववगविधि॥ शुशुननवसिसेकपासत्रमाह
विशायदसात्रसंगया॥ धकुरुप्रिाथलिरुगुलमुकुदसि॥ १०॥ सोमवात्रकुरुवलिपाग॥ वियापर्व
वग॥ पाशामद॥ गलससात्राविशायवनधकुरुथप्रि॥ ॥धसगिकुरुगुरुवात्रकादभीपुनव

सावलिबियाविधिपूर्ववगपाशकमद॥ सात्रकावितासेअत्र॥ गत्रसं॥ ॥धसगिकुरुवद्ववात्रसव
लियाग॥ विधिपूर्ववग॥ थनसात्रकावितासअहावगलसंधकुरुथप्रि॥ ॥धसगिकुरुहागुलमु
कुरु॥ शुशुयादभीअसत्रकुरुवहस्यनिवात्रसि
सथापिनिदयकंप्रजावालिपाट॥ पूर्ववगविः
थप्रन॥ भानिपुत्रियाअग्निकोत्रामसत्रासैल
त्र॥ थनसात्रकाअग्निपुत्रविं॥ लानपहाअनवसिअननया॥ थलिवसिहनायाकासवलिपा
गावियापर्ववगविधिधकुरुपाशकमदधकुरुयाथगिविधि॥ ॥हागुलमुकुपादजादिय

याभिनमनुवा

[illegible]

राखका राजा

कूलशपथगंधपत्रमृगमकसादृश्याकिद्वयदयकंनिर्धलंत्वकाप्रअने॥ राजगुवाक्षत्रयांडपा
 ध्यायांकर्मात्रात्रयांसिगुवदधकात्रियांवसनयाविशाश्वयकासमाष्टद्वयाववलिच्छुपाकविस्मंगुन
 दुलनागलावनाधपंपूजा॥ दवयान्यासपिकायमर्कमूलाचार्याउपाध्याकर्मचार्यास्विकृत्यने
 उपयायधाय॥ ०८॥ यमनसर्गपत्रगधगनयाधायनिपुप॥ ०९॥ सद्दनायस्त्रुगुगडाहाद्वारु
 लसां॥ १०॥ तस्यंन्यासपासवपयुयाअ॥ मूनकवाभुकीअर्घ्याहाअहासद्यलसंगुयाथका
 विद्यथसागकंज्ञानकावअहद्वारुवंस्तुनिर्याद्वारुवंन्यासद्यद्वारुवपासुगुयकैलवद्वधपादः
 नकंगुयकंकायाअविधिर्थपूजायाछवकंनहावभानाकवक्रमापत्रत्राभिर्वादनपूजादकृष्ण॥

न्यायपिकायय

वसमदिनकं यदावसु नानमथियकं सेगुसु संसा रास जाका सुखास्य कापवं गा कपस्ये नया ॥ तीर्थस
लखकाया या विधिथिगे ॥ तिर्थया लखकायाः
कं न्या ॥ अथ वसु नयमान ॥ अथ वामूलाचार्यो न
गुरुसुचन ॥ १११ गुदा कृष्ण द्विगिया डरुका
मवायसु श्रीलवय मूले रम्या न्या ॥ पिकायया न
गपयया गमल विधिथि ॥ ११२ ॥ अथ मरुंधपुरुषं थडा थपनाया हा ॥ सुगुनवा कलसु ता हा थक
लसु खलपु ॥ ३२ ॥ हिना पस न्यास द्योप व याना गद्य थापन ॥ मूलाचार्य उपाध्याय कर्मचार्य दिग्म

वायया ॥ अथ वाडन थन कं पय हां डन वापडा कयत गुत्रमधुला दिग्म वायनं ॥ पकर ग हस्त धां ॥ दिग्म वलिपा
न ॥ विद्य डपा धां ॥ पूजायाय लख वलि दिग्म वलि ॥ ११३ ॥ कस्य न वज्र धा उदगु विद्याया ॥ सुगुन कलसना
गद्य दवर्त पूजायाय विधिथि ॥ धनका वपक
कं चवगा डन रुट किवा नास विना डका न हयम्
सुपक्व विंशतिका नाय नू रुट द्वा रुट रखां डीस्य
दिग्मया मरुयाय ॥ धनका डम लायाय न विद्या वन्या सद्य वसु धनका ॥ ११४ ॥ थिमात्र का विधिथि ॥ ११५ ॥ थया
या ॥ न्यास द्योप पूजा ॥ अग्निष्टोत्रं नू नू रुट ॥ दवपूजा सयिनाय पा हा कवलि मालव ॥ न्याय द्या लखा रुट सिद्धा

पूजा ॥ रुटकिवा नाथीकासदवत्रहं गनपसीपूनपस्यं गया ॥ सक्तदवया हा नालं ग राजलनधिया नायण
 दूपरपया (थलिपत्रकृपागरपया काषागमनहिदा ॥ कृपागमलाचार्यकृपापूजायानसहकैपत्रपागद ॥
 मयशश्वहायकविधिथी ॥ पनरनवनयास्वा आमंवेजव १ वलिरुडागपा १ पोसाकदुगुगडा
 रुसिंनव ॥ रुसखासत्रयसिवा ^{रुसखासत्रय} जो नो वलिपा न १ पोसाक रुसिंन १ मसकं १ थ निपूजा ॥ देव
 गाहनिधनकावमपाहिनुदाहत्रसाया नईम नंकया हलया मिखा डहया खार्कया सिऊ न
 यावपिर्कप १० वावात्र ॥ द्विपनसपनिद्या हाखायसहसमरुजोगसवीपावद्या हाखत्रविपननविहाव
 विधिथी पूजायाहनपूजायानावसा नसात्रकारुमी ॥ आनिप्रिससगीपा नर थापिश १ थ निजाली ॥ आहनिः

॥ महावलिपत्रकृपाकिर्नकापक्ष जगलका ॥ समाफजा शिर्वाद ॥ सगुन गयादकृष्ण ॥ आषाहनि ॥ विमर्जनावलि
 कृपा ॥ न्यामघलेदवद्वयकाविधिरूपाया (थी ॥ सक्तव ॥ गदचक्र मितमानकाह ॥ दक्रिष्णचार्ययानडाकावि
 रुथंलिनागसखाननप्रडाजा ॥ थनिन्यासपिका याह्वग ॥ ॥ थसगिकद्ववदुधिकलभापूजा
 विधि ॥ ॥ आनिप्रिसलयासिवाजीनो ॥ सक्तव राजथनि ॥ पद्य विविनकाअपूजाइ हा याघावि
 विनकावनासपिकाया ॥ ॥ धुरुसम्वगुठनन येअहुक्तवथाकरनुनिनकरविस्वकुजागव
 द्वायत्रायकूलिसपूजारुवकायाववसिनया राजगुवाहा नउपाध्या ॥ कमावास्वक्तसं १ वास्यगुनम
^{पकुगव} तुलमूलदवयावलिंया ॥ द्यामधुलस ॥ न्यासघलसं रुटकिवा नासंवाजामनियाने सिधु गया किः

कोकायया
 इति कः वागा गइति

न कालं संवत्सरे विविधं न॥ स्वस्ति नमः कुरुते नमः ॥ सद्यः नमः कलम् ॥ न्यासः कलम् ॥ रुट्किवा ना॥ सीः
 जामतिर्विविधं पूजा ॥ धनकावः ॥ कनमि ॥ सिकमि ॥ नवगन्निवाया ॥ अरुनपूजा ॥ (थलिध्वनं कंथं निवाय
 अगमः ॥ वापा निदकस्य ॥ जगत्या ॥ रूहा पूजा ॥ यायदकस्य ॥ रूविवायथवर ॥ अरुनपूजा ॥
 धनकावः ॥ न्यायघटि ॥ विनकाव ॥ रुट्किवा ॥ गायवगा ॥ काकाय ॥ नवायका ॥ कलिकाकाय ॥ ६
 ॥ जामतिनिर्वाकाकाय ॥ गङ्गा निरिज ॥ नपनिग ॥ वर्गकाकाय ॥ सिया ॥ दका ॥ सिकनमि ॥ काकाय
 ॥ धनकाकाय ॥ रुट्किवा ॥ ना ॥ न्यायघलया ॥ जवस ॥ सुगुयाथ ॥ कारी ॥ नयका ॥ गङ्गा ॥ निर्या ॥ सद्यः ॥ नया ॥ रूडा
 सग्या ॥ (थलिमधुलधिला ॥ किर्नका ॥ फुनि ॥ ॥ गङ्गा ॥ रुन ॥ रुमापन ॥ पाथसमाफ ॥ अक्षिर्वा ॥ गङ्गा ॥ गङ्गा

यादकस्य पूजा ॥ ॥ निरुट्किवा ना ॥ गङ्गा ॥ निरिकाकाया विधि ॥ ॥ (थलिगानि ॥ निरिसत्रय ॥ गिवा ॥ जाले ॥ पू
 जा ॥ धनकावः ॥ गङ्गा ॥ सस्य ॥ यग ॥ रूडा ॥ पूजा ॥ सगल ॥ कामान ॥ रुना ॥ ॥ सद्यः ॥ रुन ॥ त्वे ॥ रुड्कि ॥ पक्षमी
 रुड्कि ॥ नरु ॥ पी ॥ गी ॥ गङ्गा ॥ वद्वान ॥ रुड्कि ॥ रुड्कि
 लाहा ॥ पूजा ॥ यादक ॥ जवसा ॥ हा ॥ नकाकायादि
 अम ॥ रसा ॥ हा ॥ काकाया ॥ गथ ॥ निविधि ॥ ॥ ॥
 हिनी ॥ नरु ॥ जय ॥ पान ॥ या ॥ ग ॥ रुड्कि ॥ वान ॥ रुड्कि ॥ राय ॥ कल ॥ स ॥ मा ॥ नि ॥ न ॥ मा ॥ हा ॥ न ॥ रू ॥ ॥ आ ॥ हा ॥ व ॥ पूजा ॥ रु ॥ न ॥ का ॥ या ॥ व
 हापा ॥ (थ ॥ ॥ रसा ॥ पूजा ॥ पूर्व ॥ व ॥ ग ॥ गु ॥ न ॥ म ॥ धु ॥ ल ॥ रु ॥ ड्कि ॥ धो ॥ रु ॥ स ॥ मा ॥ धि ॥ हा ॥ ग ॥ न ॥ क ॥ न ॥ हा ॥ म ॥ न ॥ न्या ॥ हा ॥ घ ॥ ल ॥ पूजा ॥ ॥ वा

अत्र सारांशः कायया
 वाचकसिंघा

पि. २३
३३

गुप्तकविशुश्यायकविचकाकलय १५५ निवकविपूजा ॥ मानसा १० पूजा ॥ शरत्पूजा शरत्पूजा ॥
किर्नकसंगनयक ॥ श्रीनिस्पृकविचकाकायक ॥ वाकुपूजा ॥ दक्ष ॥ चकविचकाकायक ॥ ॥
शक्तिप्रसिद्धापिंश १५५ गपान २ पूजा ॥ समा ॥ याचकंग ॥ चकमात्रका ॥ धनंशुविमाजा
याचकविचकाकायविधि ॥ धनंशुपूजा ॥ चकविचकाकाय ॥ ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥
गुप्तक १५५ गपान १५५ मयन १५५ शोराणा ॥ ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥
न्यामयन १५५ धनंशुपूजा ॥ याचकविचकाकाय ॥ चकविचकाकाय ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥
गपविचकाकाय ॥ धनंशुपूजा ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥

पि. २३
३३

फमीघटि १५५ पूजा ॥ श्रीनिस्पृकविचकाकाय ॥ चकविचकाकाय ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥
वह्नापाया १५५ धनंशुपूजा ॥ गपान १५५ मयन १५५ शोराणा ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥
विश्वगुपिगुविचकाकाय ॥ चकविचकाकाय ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥
गले १५५ विचकाकाय ॥ चकविचकाकाय ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥
यागन १५५ विचकाकाय ॥ चकविचकाकाय ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥
गले १५५ विचकाकाय ॥ चकविचकाकाय ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥
पूजा १५५ धनंशुपूजा ॥ चकविचकाकाय ॥ चकविचकाकाय ॥ ॥ धनंशुपूजा ॥

दं२२ कृत्वा गच्छ। वकीं वा दस सक्त व दस्य। वा सज्जया गसक्त व विस्सं पालन हा हा व दसि धन क व दस्य ॥ ३
 हा पूजा क री या ज गुवा हा प उ पा धा ॥ क म्मा वा न ॥ का ० वा हा म्या म वा न ॥ गु न म्म सु सि धु न ॥ समा धि ॥ स घ न
 म न था पि दे व पू जा वि धि ॥ १ ॥ ध नि रु ड न व लि पा ग ॥ वि रा पू जा ॥ पा सा क द गु द्वा ॥ वा स ज्ज या पा म्म २ २ न
 म ल स र्वा जी दे वा स ज्ज या हा पू जा क र्म रं पा व त हा य य
 थ य व व स ॥ गु वा हा न वा स ज्ज न व ग्मा व थ का वि
 अ न मा न ॥ न व सि ध न नि घ रिं का व द ॥ वा द
 न या वि प वा स क ३ ४ द य क ध न ॥ घा थ स हं द पं प ला क द यै न ॥ व सि दे व या प लि स क व भि ग्म व वि प नि
 ला क द य क रु क ॥ य व सि का व द य ॥ अ वा घ नि नि व स व स गु या व द म ल द व धा या क सि क दि न रु ला ॥

(थ लि की र्म का स गं म ह नि न या द कृ त्वा पू जा ॥ रु स वा स व क र्म या ॥ स द्वा ॥ ग त व क भि न र वि ॥ का ल थ या
 गु लि न अ सि वा सि न ता क्क या वि व न्म भ नि प नि वि प न सा वा व न या ॥ ३ ॥ नि प नि स पू जा म या क ॥ ४ ॥ नः
 न व सि ध न क या न वि धि ॥ ॥ स घ न ६ ॥ न य
 कृ ग्म म्म था ग व ह स्या नि वा न क कृ ग्म य कृ न या पूः
 म ल गु वा हा न वि म न प र्ता उ पा धा ॥ क म्मा वा न स
 गु वि स र्ग म न क ल अ न्या ग द ल प्वा थ स पू जा ध न का वा ॥ स गु मि रु न सौ द्वा ॥ म न को स र्वा हा न पू जा द कृ त्वा
 दं २ न स र्वा थ लि क न क स र्ग न य क ॥ द कृ त्वा पू जा धा थ पे य क ॥ ३ ॥ नि प नि स था पि न श १ स र्ग पा २ द य क पू जा

वा थ पि य यो

मन्त्रालय
नवययानसिखायना

[illegible]

(धं) सिवे गमुक १४ डलुन रुगु निन रुगु। ध्रुव योग। अदि रखा न कू दू नि स्या था पि न वा या ता स्य न॥ जा सा
 ॥ जं। व। व हस्य नि वान कू दू को वा वा॥ पा थ स रा ह या द व थ हा द वा। ये स वा हा न। रा कि जन सि रु ल घ ल
 उ ह घ ल न न ग द व नि सा न व ध्रु व स वि ना या क०० डे वा हा न या रि रु शी मा न क ल रु न कीः
 था दू का था स नू का दू या व ना न द या व न वा॥ ध्रु व स वा न स वा दू न व सि पि सा मा व। का पा का
 य थ स न व सि या थ स न व॥ ध्रु व स वा न कू दू श ली॥ ॥ (धं) वि दि धिं सा व मि न म ग न
 र व न ग य का न व सि ४४५ सा न का र व न य य न १२॥ ॥ सि ग कू लू ष रू मी घ टि ११ प स फ मी॥ म ल य टि
 १४ प प र्वा खा ट। प नि घ टि १२ पुं मि व या ग अ दि स वा न या घ टि २४ शी ज य प का ग म ल रु रु ड पा

धात्रिकि निराश मगुथा हा विष्णु हा वरुन नना हा घनरुद्र किवा नाथिया वदव अनिया कमी १८ दक्ष अत्र
 वा ॥ ८ पाथा विक्कि निराश पिथुका था नावाना कडा धन गेश विनया था मगा ॥ मयश्या नमा हा १८ मनिप
 विमा हा १ गवपस मोहन १ शश्या दक्ष ॥
 वेरा रुवा ठ व था गत शशकन साया वख
 (थी) लि दि धी सिक न मि सा न मि या म गे ल ख ने
 १२ धा न प ३० सा य पा ने दा १००० द न सा सा य रु ॥
 न क रु उ द या ग हा नि ध न वा न कू दू अ ग्रि पा ने का सी न क न या य व सि व वि म वि स्यं सा ल का व स य र्म ख द

(थी) लि अंरु प वि स वि श्व ग ॥ चान स व ड ह या
 सा दू नि या हा वे वि हा वि श्व क श मी ॥ १२
 ग व श ॥ १ व सि ला य स रु कं य व ६० ख न या न
 ॥ मुरु स म्ब न ६११ वे य क दू ग या द सि उ रु रु ड

१ सा रु था

वा व ना क ला क ध्व न म य श द व द्रि म नं ज व ना न कं न व ग यो वे रु हा ठ स व वि म ल द व या दू व नं सा गारू स र वा दू या दू
 व ने वा रु वं न व ग ये र्प वा हा न या वा य वा का न ना रू स र वा का स व न कं सि सा न क या ग नि ध न वा न कू दू थ नि ॥
 थं स नि कू दू आ दि य वा व कू दू व लि म वि स्यं सि सा न
 वि नि दू हा व य क म ग न स ग द स ग क वि सा न क या
 न च्या कू ट नि ॥ व श ना व म सा वा र्य उ पा धा स व क स
 सि पू जा रु व न व ल पा ट ३ क नि दू पा न र वि या था सा क रु सि क्क १ व लि पू जा पा ग व २ क सि न व ना व पू जा हा न पं जा
 वा सि ज म्ब २ क नं क ना नि ध न व न पू जा दू दू ॥ व र्कं दू या व लि स म्ब व वि स्यं वा श ज या न व सि श्या या न क ॥ पं ला दं

का व सि य ना दू या दू व न या त्र (म न न रु ना क
 ॥ ॥ थं स नि कू दू सा म वा न कू दू सि या रु ना
 नै न र्प र्व स से वा हा व ल ख व लि स मा धि न व
 नै न र्प र्व स से वा हा व ल ख व लि स मा धि न व

श्री गणेशाय नमः

पुनः सिद्धि साधना

मुक्तमना कृत्वा वसिष्ठिर्जनया चर्न उपाध्यां विद्यावलि यवसिवा दूथ कवसं गय। खवसरा हर्ष विद्यावलि नवसि
या खवसं गय॥ मलाचार्य विद्यानुविद्यवसि कवकथं थरा क द्याव हव न नय॥ सक्तव री जगिल हविथ न
थ क द्या विधि॥ ॥ सम्वत् ७११ वैशाख शुक्ल
शान्ति हस्य निवात्र धृक् कृत्वा वसिष्ठि गमद विरक्त
पंचमं कृपाथ पूजा कर्म क समाधि। सगं मना कः
जावा सज्या पा निग्न न सं क कि न वना व पूजा क न मिया ह निथ ह वि पूजा मधुन थ प्र कि न क सि क न मि न
वा स ज र्म र हा न पूजा हा ह कि पा न व द्या या संग व न य व न पूजा द कृत्वा क न मि ह वि प नी वा वा स ज न सि क

१३

अथ मन्त्रादिकं दत्तं कृत्वा

पुनः साधना

यसिद्धा कं वलि सं गय। पलाय मुक्तमना कृत्वा विमर्जन वलि न नवसि कवकथं कृत्वा क उ य क वलि हा य व सि
वसि क व न न य थ नि न व सि द सा ला या न विधि॥ ॥ थ लि न त न्या स या य या न त न्या स वि धि स धा या थ थ
पत्र प म ला रा र्य उ पा ध्या ७ वा र्य पू षा हा र न दा ह
म वा न र्म मा त्र। प क ग वा स्व र्ध॥ सि धु न॥ म धु ल थ
ऊ न ल ख व लि श्रु या॥ व ऊ धा दु द गु वि या या॥ क
र ना द क सा य व स न द र्म म कू ट न प र्म क ज द व ऊ र्म व ऊ धु वि का र्म ऊ हा व उ पा ध्या क र्मा वा र्म ग ल प स
ऊ हा व डि म ख को थ क र्म मि त्रा पू जा या रु न रु य थ न क र्म ल ख न हा य प क र्म व न र्म र्म व ल

खनंदाया। नृसिंहदथकाथसं। नृकिं सिपर्ववगुक्रमलसमसं गय॥ संपक्ष॥ पूर्णलाघकुग॥ भगवत्कृतधन३
 अणफेअभिर्वाग॥ धनकावगुणोदभकाथादोअनद्वादभाकुप्रपमा। लपत्रोनप्रपवअरुपव॥ अहापलक
 कृष्टिधठनिगुविस्थविनगुणोदभकाथपस्यग
 याअरु४दक्रि। उरुप्रवकृत्पाधठ॥ कापस्य
 थवरअसनसंवाहावअभिस्सपनअभमंदानिद
 हावलिवियावलपूजा॥ हावनिर्सेपवधरप्रवयार्ग। रुसखायार्गखादयार्कपक्षपहाप्रपूजा॥ वाकपू
 जा॥ कर्नका। पक्ष॥ कुरुवका॥ पूर्णलाघकुग॥ भगवत्कृतधनमापन॥ पा० समाफ॥ अभिर्वाग॥ सग्वनगय

दकृत्वावगपूजा॥ पूजाया नार्त्यदवद नार्त्यसिमात्रका गलपयाखापागारुणिमर्थ॥ (भाषाकृनि॥ पूर्णलाघकु
 ग॥ भगवत्कृतविभर्जन॥ वालिस्वरस्मृतिनिर्दिपन॥ ॥ (थलिभाकिपूत्रसत्रयसिअजालैपूजा॥ थः
 नित्रत्रन्यासकृत्पाविधि॥ ॥ ध्वंसनिदि
 ॥ गुवाहाउपाध्याकमोवाउपासत्रागिसत्र
 वाक॥ ॥ सम्वन४११वेअषभुक्क४वथक
 पुअनेगध्यागभुक्कवावधकृत्पागगिसयाघटि४विहावघाटि१अहाउअसिसकात्रयाययागद्रापावि
 धिसमसंअक्रुक्रियासस्वसंयाय॥ द्रापाउवासिसमिकयक्रमगुमिनअसिवाकर्पनैकोत्रविकजन

नृसिंहदथकाथसं।

व्यक्तवत्सममृगनहायवमयनहोवधिरक॥सिगुका२नायक॥नुवसिदकादद्वय॥शोवाकक३४पूज
 विरुक्त्यागुनिदवनदद्वयकापक१०यिनपरिगानरुयकपकवत्तनय॥खागाननापूया॥सिदवननय
 *।दवननहायकपूयामालावेमाननयकुरु
 कापिगच्छेय॥थनसगनगाहाफोकलसधम्मव
 कसविक्सदद्वुहागागस्यपकशिरयावीनस
 नसवननुवसियासूपूर्वगानकनयवसियगाद्वुयाडरुवसथाय॥वास्पस्वस्त्यव२जानसपूवस्वस्त्य
 शान॥पूजारावजपीगुनमधुललस्ववलि।पकगहस्ववन॥सिधुगयधम्मवकविद्वुगयाकलसनिर्ण

१३

नया॥किगंकादग्निपत्रि॥आधनपा०किधनवज्ञाय॥स्वस्त्यनंदग्निपत्रि॥आधनपमाधियाय॥मेवगु
 वाहनपा०याय॥सग्वजगाहापकवसमनपूजविधिर्य॥थंलिअग्निस्सुपन।अग्नादग्नि।दवपूजाधम्मव
 कविद्वुकलसध्यागक॥दवगादग्नि॥यधम्मोप
 रुकास्यपनपावसिक्कपागव्यागकीसिक्कपागस
 हावसिक्कपागस्यगुमित्रवज्ञायमगुमिजनुव
 चकपिहुविपगियादकीअग्निस्सुकोनयाय॥जद्वुगिविया।वालिविया।वाकपूजा॥मधुलधिलस्वानवाय
 का।कनकपूयाय।जद्वुवक्रा।पलादीकुगिगनाक्रा।क्रमापनपा०समाप॥जामिचोत॥सग्वजकय।

कनागपूजायाय ॥ ॐ नित्यसंपत्ताय कविधि ॥ ॥ सप्तम ८११ वेभाषणु कृत्नवमिद्यटि २ पदसि १०
 मयनकृष्णद्विशागवृहस्पतिवात्र ॥ नवसिथसात्रमरुयाव नवसिहवन ७ वस्यं गुनमधुलसमाधिसम्ब
 नमनकलभनवसिपूजा ॥ वलिपागजविषा ॥ वलिपूजा वाकपूजा ॥ कनकाकुति ॥ भानाक
 नक्रमापना ॥ अंघ्रिवात्र ॥ सगवगयादकृष्ण ॥ वनपूजा ॥ पंती ॥ अंघ्रि ॥ भानाकनविभर्जन ११
 ॥ वलिमालासगया ॥ रुसखास ॥ मयशुया ॥ कं पद ॥ शत्रवयाक ॥ भानिपूवि संकन ॥
 प्रपूजा ॥ दिनसथनिपूजा ॥ ॥ थंलिलिवृहस्पतिवात्रापाणि सरुसवास ॥ सूर्यपा २ ॥ अपिश १
 दयकं नवकृयागु नंदपूजाया ॥ मय इंदवयाकसर्गपा २ ॥ अपिश १ दयकं पूजागु वाहात्र नवकृयाग

कृत्नामाया शानसभायापि लिक्कर्ममधुलसि किमिहाउपाध्याया कं कृत्नागुवाहावासावकन ॥ थकृत्नायपनिगु नदयाभाहृनक्रमिका १६४ उपाध्याय
 यपनिदवह ॥ भानिपूवि सपक्र सात्र जालपूजा ॥ गुवाहात्रा जगुवाहात्र किमलपरात्र दशसमसराजथ
 नि ॥ ॥ थं सति कृत्ना कृत्नावयात्राणि सगु कृत्ना सीपक्र सात्र पूजा ॥ गुवाहात्रा अक्रया कृत्नायपनिः
 शाशुने नुहदा निह ॥ ॥ थकृत्ना सः
 रुकोयाहात्रा पंरुकोयाहा ॥ सक्तववात्रा क
 दृक् ४८ अंघ्रिपिठयव ४ गलकुकिनियारा
 खनक १३ ॥ नागवत्रा वनक १४ ॥ ॥ सप्तम ८११ वेभाषणु सप्तमिद्यवनन कृत्नागु कृत्नाग
 अंगवात्र कृत्ना वसिमदनाव ॥ सनदवया कवलरु कोणु नमधुललेखवलिहवन वलिपाठ ४ विसं दवस

३ सप्तम ८११ वेभाषणु कृत्नापूजनसंभवा

॥ सप्तमो वात्रा कृत्नागन ॥ ॥ थंलिलिवृहस्पतिवात्रापाणि सरुसवास ॥ सूर्यपा २ ॥ अपिश १
 कृत्नागनयाक ४ ॥ ॥ ३

कपेकपहापूजापूजायाकविमत्रपहासूः नायवः नायद्वारवास्तुसिद्धार्थराज ॥ शुभत्रयस्यपूजा ॥
 ॥ पवनरूपवयाकं रुसखाससग्नपाश्वलि ॥ अगपाट १ दयकं ययसिवाजीं पूजायाकगुनेउरु ॥ ॥
 मयशुदवयाकलयपूजाशालंरुअगपाश्वः ॥ त्रिवियाहाथेजभस्वगौदयकपूजाया ॥ ॥
 पलानसगुसप ॥ अमुदयकपेकपहापूजा ॥ मंशुसीससवनपाट २ दयकपूजाथं १८
 पिंश १ तयसकवशालविनयका ॥ थकदूः ॥ सितामरु ॥ ॥ थंशतिकदूकृनिंसागम
 रुवद्ववावकदू ॥ ॥ थंशनिदिनवृहस्पतिवावसविहायसात्ररु ॥ ॥ वंभाषकृष्ववुदशीः
 १४ अमवावकदू रुसखाससग्नपाश्वलि ॥ अगपाट १ थपिनिश १ दयकपूजा ॥ वाहानमसर्क १

मयशुसीपत्ररुवसंपेकपहापूजा ॥ अकिपूत्रियसिवाशालं ॥ सितामकासनाकट ५ सिवनाकट २
 विगाथकृद्वारहायका ॥ ॥ थंलिहितावांसिववशला ॥ सितामरुयाववलरुहायापूजा ॥ ॥ थंलिहिथंमि
 सात्रपनिरुनाकठनकृधहायक ॥ ॥ ॥ दामगामांरुविल ॥ ॥ समनरुनगश्वरु
 कृरनवमिद्यटि २ ४ पूर्वखगुनिद्यटि २ ५ उ
 वायथकृद्वयादिनयाद्यटि २ १ शमीस्वयम् ॥ यालवसिथदादिनरुल ॥ ॥ वसिथनयागजा
 पांन्यासवलिविया ॥ थलिनाशसपूजारात्रकास्यंथमनाहा ॥ नायभूलिसग्नमनपूशकलस ॥ ॥ दुः
 कलेरनाहायाकलसखासिवलि ॥ वलि १ अगपाट १ २ दीरुअगव १ खरुगव १ पोशोकमद ॥ किदात्र ॥ वा

५
 सि
 थ
 २
 ३

दासगीलक्ष्मि यक्षा यक्ष्मी ॥ आपत्रपं ७ वास्यं पूजायादाणु नमस्तुललंखवलिदिग्म वा प्रत्ययाक ॥ पेक्षग
 ह (भाधन ॥ वलिपाठ ४ रु अ न व लिवि स्यं पूजायादनवादानदगुर्क २ रु स्र्म २ द्वा नखा रु सिदीस ००
 नायवु ०० नायपूजाश्रुया ॥ मलाचार्यविम
 नगुप्रदश ॥ पद्मचार्य ०० दुवाहायात्रत्नपद
 तिह ॥ पद्मिमाचार्य ॥ उरुवाचार्यका ० वाः
 गुत्रियाक ॥ (थंलि ॥ ०० नासेषविं सग्वनकल ० यक्षा यक्ष्मी नागव ॥ नासद्यलसं पूजा ॥ धनं द्यः
 टि १२ रुाधू कायादावगयापा ० सधर्मपुत्रिका पक्षे नका ॥ (थंलि नवसिथनयागशुविश्रय

कुनं नवसिसात्रकानदिनयाघटि २ नवसिथदा ॥ (थंलि सात्रमियापनापश्रुयका धर्मधनका व नवसिपा
 नविवर्क नवसिसाकां खगसत्राकां का वाहाव ॥ (थंलि मलाचार्य मकटन पस्यं कजयधुधनरु वजस
 विकास्यं कभायगमनठस्यं ॥ उपाध्या कमाचार्य
 खवलिकृपा न २ विस्यं ॥ नवसिया मधो निर्यः
 धर्मधनगुग रु स्वाहा ॥ पेक्षसर्नधात्र १०० यादा
 ॥ उंनमारुगवर्गवैशावनर्यादि ४ मध्या ॥ ॥ उंनमारुगवर्ग अक्षाय्यादि ४ मर्तुपूर्वे ॥ ॥ उंनमा
 रुगवर्ग वलकुरु वाजाययादि ४ मर्तुदक्षिण ॥ ॥ उंनमारुगवर्ग अमिगाराययादि ४ मर्तुपश्चिम

जायामने उ कलस जाया। खान। सिधा। जगु वक्रा। पेश सुयका। उपाध्या। ईशोयानं काजियानं नयमात्र श
त्रा॥ ॥ समिदिन सव कुथिक लं प्रजा विविथं॥ ॥ भानि पवित्र यसि अजात्रं॥ ॥

सम्वरा जय किन वसिध भयान दक द्रुया
कद्रु शनसा व कुथि ज व्यस कन स पूजा॥ ॥ अ
निक उरिया विधि॥ ॥ सम्वर ८११ धिष

विधि॥ ॥ ॥ धनिसनिक द्रु शनसा पेश
निक पवित्र यसि वाजात्रं॥ सम्वरा ज॥ थ २१
गुक्क द्वाद मिश्र टि ३१ विगन क्रु ग द्वा टि १५

सामिन क्रु वलिया नया ग सीम वा वध क्रु द्वा टि गय के द्वा टि १२ द्वा स य म्प य या ग ल प द न या ग
प्रप स न व सि या दि ग विदि ग स पा द स्म प ने या ना दि न रु श॥ थ कि न म ग की स म र्क पा द स्म प न विधि

सवाठ (थ स्वया व या ठा॥ जगु ज कमया क॥ कापां घालि न के॥ ॥ ॥ लिला जाया पूजा रु व का य॥ ॥ अपत्र प॥ वलि
रु व न पा ग १ स व न क ल स म न ॥ म ग ल या आ दि स या श न सां दु नि या स्वा य म द गु विल कि न स रु क गु वि न
न पा ठा पा वो ज गु वो श न सां वा द्वा ज र न सां प
वान बु र म र द्वा व नं न व गु व न व॥ न अ म
प क र म र्क पेश विदि थ ठा व ल प र्क अ हा प र न
अ न स्म प र प र न या॥ स्व म र्का ७ वा य के प जा रु व ज प॥ गु व म लु ल प र्क ग व स्व ध न॥ सि धु न या॥ स्व य म्
प र्कां सि ध म र्क पेशु पिका प र्का पा र मि ना पा थ व य॥ क र क॥ पा थ व व का य॥ कि व न वि य॥ म लु ल र्क व व

लिविभर्जनं॥ वलि श्रुय॥ ॐ नारायणं नमस्कृत्य पूजा श्रुय॥ वज्रधनुःदण्डं विनायासं गुरुमनः कल
 सुदेवं वायुतकत्रा मिया श्रुय विविधं पूजायाय॥ दक्षिणाय॥ स्यात्तासं नातककत्रा मिहापूजा श्रु
 ॥ ३३ पांथी सिजलरुवा पूजायाय ॥ लदक
 मलायाय अपदना वज्रहा वज्र वसियाथमस्य
 यावमानकां याय॥ पादस्नपनया हागु विधि
 वरजासनसेवा हाववाक्य पूजा दहावलि विधय॥ पूजायाय॥ मलुलधिप्रकिर्णं कस्तुतिभाना कनकमा
 पन॥ जग्निर्वात॥ सर्वजनगयदक्षिणपूजा॥ वरपूजा॥ पलायं कृति॥ भाना कनविभर्जनं॥ वलि श्रुय

॥ कलममलुलपानाज्ञाय॥ ॥ लिविभर्जनं प्रविशतयसिवाजार्चनं आशुससक्तवशाज॥ ॐ निस्वरमृदुव
 यागत्रपदनयात पादस्नपनया हाविधि॥ ॥ धर्मनिदिन निस्वर्गमंगलखर्ककोकपियका॥ ॥
 पाणोक्किल कृतस्वययुवय॥ पागनगत्रकु
 यत्रसक्तवनमममयसिद्धिर्वक ४४॥ ननुवा
 ४ गत्रकुकिनियागार्गीदाहा॥ नवसिद्धि विन
 कयागत्राजायावसगयापूजारात्रथनकावा॥ थापत्रध॥ कलमसंगतमन गुरुपा हापावीज वलिरुडाक
 पाठनेयुगस्वादकृत्सी॥ ७ रायपूजायाय गुरुमलुलपत्रगार्हस्वधन॥ स्वकस्यनव वज्रधनुसमाधि॥

द्या ७८ अथा

गलपुकिं
नृपयात्र

व. कलमा। स. ग्वनाम. न. जगपा. २. अ. हापा. पा. वा. अ. सि. जल. घ. न. ग्व. अ. प. क. र. त. मा. त्र. का. न. स्य. वा. थ. अप. न. र्य. ॥ अ. वा. स्य.
पू. जा. वि. धि. पू. र्व. व. न. ॥ गु. न. म. धु. ल. प. क. र. ग. र्ध. स्व. ध. न. ॥ व. ज. धा. रु. द. गु. त्रि. ॥ क. र. व. म. स. र्व. व. म. न. ग. न्या. अ. घ. ल. ज. ग. वा.
अ. र. न. पू. जा. ॥ क. र. म. मि. हा. पू. जा. ॥ ज. ग. या. श्चो. र. व. ल. व. द्वा. य. ॥ स. र्व. लो. स. मा. ग. के. ग. ल. रु. किं. दे. न. क. ॥
वा. क. पू. जा. रु. अ. ग. व. लि. विय. ॥ व. लि. पू. जा. ॥ क. र. क. स. ग्व. ने. द. य. क. ॥ द. रु. व. म. पू. जा. ॥ अ. नि. प. रि. स. न.
या. से. वा. श. न. ॥ ॥ नि. ग. ल. रु. किं. द. न. वि. धि. ॥ ॥ ग. ल. रु. कि. नि. या. द. थ. र्पि. वि. दि. ग. र्प. पा. द. स्मृ. प. न.
॥ ॥ अ. क. स. स. म. न. व. ग. व. त. क. ॥ ॥ वि. धि. स. वा. न. थ. या. रु. थि. हा. व. का. ॥ ॥ रि. मा. त्र. का. वि. धि. या. हा. ॥ ॥
स. म्ब. ग. ६. न. ॥ अ. क. क. क. ॥ ॥ न. का. द. मि. ॥ अ. नि. नि. न. क. र. अ. नि. ग. ध. या. ग. आ. दि. य. वा. य. थ. क. द्वा. ग. न. रु. किं. द. न. ॥

या न निगपा न स्मपंया हादिन रुभा ॥ ॥ गुरु स म्ब न ॥ ॥ आचार शु क पु नि पदा ॥ आडा न रु वृ द्वि
 या ग शु क वा न ॥ ॥ थादिन स रु पा म धु ल न य या न वा मा रु या मि षा प नि ना जा श्री ३ रु य पु का भ म न ॥ उ पा
 धा ला रु ना रु गु वा हा न ॥ ॥ क ड क्र या रु य पा नि द व रु गु न रु रु स म्ब य स म्ब वा य हा व रु अ रु प
 नि स न रु सि या व थ रु या द व न पि लि क र्म म धु ल यो प षा न्वा स म रु ॥ ध र्म धा उ म धु ल य म रु २४
 क ल क वा या ॥ ॥ जा रु त्रि या पु रं गी वा या धा व मि रं ग रु या म रु ॥ ॥ व या म धु ल स ल य क कि
 या व ॥ ॥ सि रु ल स्म व स थ म धु ल रु थ ना व ॥ ॥ वा जा रु य पु का भ म न म हा वा जा या वि न नि ना व को थ म न्वा
 वा य रु ख न क ॥ ॥ कि सि वा व ल क द य का व ॥ ॥ थ म धु ल ग ल रु कि नि या प र्वा दि ग स रु क जा व रु वि

त ल म धु ल था प ना या क थ रु त्रि दि न स न व रु ना ॥ ॥ ॥ वा मा रु प नि स न य म धु ल य ण हा धा
 गी ला म म्म थ नि ग ढ ल गी ला मं त्रि थ नि रु क थ पि लि क र्म म धु ल स वी रु ॥ वा
 नि स व म् ॥ ॥ द थ स ॥ ॥ व रु धा रु ध री द थ स र्थ लि व रु द व स ॥ ॥ प र्वा स रु नि डि क वा ग व नि ॥ ॥ द
 कि र्म स व ल धु क (ध ष व नि ॥ ॥ प षि म गी ला ॥ ॥ त्रि क सी रु व नि ॥ ॥ उ रु व वि श्व ध क सी रु व नि ॥ ॥ थ
 पि स क र्मा ॥ ॥ पि लि क र्म म धु ल व रु ॥ ॥ वी रु ॥ ॥ ग म स द्वा र्पा पा धा व ॥ ॥ थ या द व न वा रु न
 पू व ॥ ॥ थ या द व न म ल व पि पि वि र्थ वा रु न पू व ॥ ॥ थ या द व न ॥ ॥ व र्वा रु न रु व र्थ वा रु न पू व ॥ ॥ थ या द व
 अ न म धु ल थि न व रु द यो रु रु नी ला ॥ ॥ पू षा वा ग ॥ ॥ प द्म वा ग ॥ ॥ म व रु क ट ॥ ॥ ना ना व रु त ॥ ॥ ल उ हा पू वि मा ल ॥

निम्नोक्तसिद्धिमात्र। नायत्र। समस्तं न्यायवकायविचित्रप्रावसिजलपसांप्रयावकिलकयावगस्यलि
 ॥ इत्यपुकागममन्त्रयाकाधाम्चास्त्रयावह्यावकिलकयागुत्रिलिकायावसमस्तं नपनिंरिंकस्रयावग
 त्रयायाश्रयापिथिनायनयाभाहम३२
 मयाभाहमकुलयास्त्रयाभाहम३पविता
 रिंककागकगयाव॥ सुवसियापूर्वरागस
 लाहनकाप॥ मोहदवनेनामाश्रयानामनसर्ववग॥ ध्यादवने इत्यपुकागममन्त्रया अर्गलल
 किनिचाकजायकदन॥ ॥ समस्तं नपनिंरिंकस्रयावगस्यलि ॥

२५

वक्रवर्ण

वापथकद्रुदकासकाथवकविगयादिनश्रया॥ इजमानडातुवाहावयाश्रमहामनिरुपमखगवलि
 क्रियांपूजाविधिमात्रकासकचंरीडेसामग्रीमानकीश्रया॥ ॥ वक्रविगयागक्रापांवाजायापूजा
 श्रवजमानयापूजाश्रवथनकाव७वायस
 तुलधिलः॥ धापवपस्रवनकलमंत्रागचद
 वक्रविपनिःस्वाननन॥ नपनिंरिंकस्रयावग
 क्रसानेकजधातुदगुविशया॥ सग्वनमनकलसनागपपूजा॥ अग्निस्मपन॥ अग्निहोत्र॥ दवपूजा
 दवगाहनि॥ धविधानस्मपस्रकलपविधिसस्त्रयायसमस्तं॥ धापसंभनसंविधिर्थापूजा॥ क

यमिष्टाष्टपदका॥सुखलासनागर्ककडाहामलनस्यमहादानवाक्यास्यंश्रुयादिवाक्यास्यंश्रुयामपेक्ष्यः
 ४मनस्य४चक्रविपोगिलवकाया॥धौलिमलावायौडपाध्याकमायांनर्त॥पैलांघमुगभगाकृव॥थन
 स्वर्कडापदनावगालुकिओवहाववासलं
 सुखेनासनागर्कथमयासाहात्रप्राप्तंयागु
 हिपक्षमृगनस्यंकरसलंखनहास्यंपजा
 शोपयनीलात्यनयोदिविधिधैपूजा॥आप॥उवजसलंरुंधांन॥०८॥मनुनखानरुपात्तायउप
 वजनसिंहायाय॥सिंहनलय॥पक्षगधनवजविद्रुवास्यंथामस्वायपूर्वयाथमयासावना॥

श्रीलङ्कात्रयमन महाकाध्यादिप्रपरीक्षानतया॥लोहाग्नित्रका॥विधिथंरुता॥उंआ४यमान
 कमहाकाधवाजहं॥सिंहनय॥दथगत्रपयाध्वथामसंदिगडनिहावना॥मिंखनसंथर्थविः
 धि॥रुंता४सर्वसमया४मडादिसमाधिव
 मतावज४॥दिद्रुविदिद्रुसरीस्यया॥स्वस्व
 कवावनीमामकीपदनिगात्रा॥स्वस्वादि
 विद्यानक॥विदिकअवत्रदकिताजनीप्रदधुमहावेल॥रुंरुसर्क४अष्टारुंरुंअगवावंपर्यकी
 ऊपात्त॥कमलरुमुस्यपन॥दकि(वत्रतसमुवयासावना॥गंकात्रापमहयादि॥विधिधैपूजा॥

जापमन्त्र॥ॐ वज्रवत्स॥ रुक्मया रावना॥ॐ ह्रीं कूं कायपज्ञानकमहाकोट्यादि॥ पूर्वव
 तविधिर्त्यपूजा॥ॐ आ॥ ४॥ पञ्चानकमहाकोट्याजहूं धा॥ १०८॥ ॥ पश्चिमया रावना॥ डीं कायीपन्न
 नेकोरुयादि॥ पूर्ववत्पूजा॥ जापमन्त्र॥ॐ
 प्रत्यपज्ञानकल्यादि॥ आपानी पूर्ववत्॥
 धा॥ १०८॥ ॥ उरुयरावना॥ रवं कायीप
 ॥ॐ आ॥ वीरविकाकमहाकोट्याजहूं धा॥ १०८॥ ॥ अष्टपूर्ववत्॥ ॥ धरदिगर् विदिगर् जि
 मस्वर्गसे नखं धामर्त्त उर्दिमात्रशः॥ ॥ यावनी अर्घ्यादिर्त्यादि॥ आपापुपंलाद्यमुनि॥ जा

२१

पमन्त्र॥ॐ यावनीस्वाहा॥ धा॥ १०८॥ रुक्मया रावना॥ नीरहूं कायपविना मर्यादि॥ आपानीलाहाग्नि
 वक्रा॥ पपंलाद्यमुनि॥ जाप॥ॐ आ॥ ४॥ टां कूं कायमहाकोट्याजहूं धा॥ १०८॥ यधर्मासिरुं वय॥ ३॥
 नेमरा॥ सामाकि॥ पूर्ववत्पूजा॥ॐ मा
 ॥ नीलहूं रावनीलद (लु) त्यादि॥ आपापु॥
 याजहूं धा॥ १०८॥ यधर्मा॥ ३॥ ॥ अत्र
 वक्रा॥ पपंलाद्यमुनि॥ जापमन्त्र॥ॐ अ॥ वज्रवत्स महाकोट्याजहूं धा॥ १०८॥ यधर्मा॥ ॥ पयनी॥ पूर्व
 वत्॥ आपानी राहाग्निवक्रा॥ पपंलाद्यमुनि॥ जाप॥ॐ वद नीस्वाहा॥ धा॥ १०८॥ रुक्मया रावना

स्यात्तावता॥ वायुवादिषा॥ त्रीलोकं कायपविभ मन्त्रादि॥ पर्ववत्॥ आपानी प्रापपंलाद्यंस्तु॥ धनमा
 यमा हाथशरपूजायास्यं धिहाय कज न धिस्त्यं॥ मना कत्र३॥ अभिषा॥ डिमंस्वरसंदिगं विदिगं पूर्ववत्॥ धन
 मलाचार्य उपाध्यास्वकं का हा अयावधव२॥ ३॥ अनस वाभ आहूतियाय कथय कि विह यमा वलि
 वियवलि पूजाया क पूजा॥ स्नान गत्र॥ पूर्व्या
 अभिर्वा न॥ मलु लविमर्ज न सव्वन ग यद
 म प्राहू निवि स र्जन वलि क्य॥ रु सखा स पूजा॥ ॥ निपुथमच कत्रि ग य विधि॥ ० ॥ ॥
 आनि पूवि स सव्वन पा न २ था पिं रु १ दय कं पूजा स मया चक॥ गद्य चक॥ सगुया थ का रि ना का प्रगु व द कं ४

राजगुवाहा उपाध्या कर्माचार्य क्रि सिवाय च कं १ पूजा रुय का व कं १ दव पात्र माक॥ कत्र मिथ्य च का
 पूजाया कानं मात्र॥ निगख स्यं नि स्यं अया कानं उपा स नयाय मात्र॥ गद्य चक॥ स तु निज य रुका नय
 ॥ नय धन का व द आच क वि आ म न या॥ मे व
 य॥ नी न स्तु ध वि भु धा न त्रानि॥ १ ॥ समाधि
 धा धा न वं॥ ३ ॥ विम कि स्तु ध वि भु धा ग धा
 रु स्य स्तु प नं॥ ७ ॥ वज मय र मि वि भु धा व रु स्य स्तु प न॥ १३ ॥ हान वा न र मि वि भु धा नी ल नी ल
 स्य॥ १२ ॥ सम न य रा वि भु धा प ष्य ना ग स्य॥ ११ ॥ धर्म म धा र मि वि भु धा प ष्य ना ग स्य॥ १० ॥

उपाध्या कर्मा

साधमनिरुमिविमुद्यामकैवेदस्य॥ २ ॥ अचरायामिविमुद्यामंषस्य॥ ४ ॥ इन्द्रमाविमुद्यामव
 र्कस्य॥ १ ॥ अरिमखिरुमिविमुद्यामजावर्कस्य॥ ६ ॥ सुदुर्गायामिविमुद्यामिन्द्रमस्य॥ ७ ॥
 अश्विनिरुमिविमुद्यामृष्टिकस्य॥ ८ ॥ पुराकविमिविमुद्यामवेदस्य॥ ३ ॥ विमलारु
 मिमिविमुद्यामिन्द्रमस्य॥ २ ॥ पुमदिनारुमिवि
 सुवर्कस्यपंमया॥ सुवर्षांमपविनामुपट्टिक
 शांशोदराव। कवियां वत्तनामनयकंथविधि॥ ॥ पुथमचकविपुमदिनामृष्टिकय॥ १ ॥
 विमलानिचकविरिक्त॥ २ ॥ पुराकविस्वचकवि। वेदस्य॥ ३ ॥ अश्विनिरुमिविमुद्यामृष्टिक॥ ४ ॥

सुदुर्गाया। रुचकवि। विद्रुमनय॥ १ ॥ अरिमखि। ष्वचकवि। जाजावर्कस्य॥ ५ ॥ इन्द्रमाद्रुसचकवि
 । सुवर्कस्य॥ १ ॥ अचरा। चावकविमंख॥ ६ ॥ साधमनि। गुचकवि। मचकट॥ २ ॥ धर्ममद्या
 ॥ जिवकवि। पद्यवागस्य॥ १० ॥ सक्तपुरा। जिमचुचकवि। पद्यवागस्य॥ ११ ॥ कानव
 निरुमि। जिमनिचकवि। उदनीलस्य॥ १२ ॥ वज्रमयरुमि। जिमस्वचकवि। वज्रस्यस्वपनं
 ॥ थनिचकवियानाम॥ ॥ विमकि। कानव
 कानव। सुवर्कस्यजावीज॥ १३ ॥ मिलक। सुट्टिकिवाना॥ वत्तानि॥ १४ ॥ समाधि। सुध॥ दवधय
 ॥ पुरास्वधधनव॥ ॥ विमकिस्वध॥ विमुद्यामंध॥ उंनमः श्रीस्वयं नृये सायनमः॥ ३ ॥

अंशीधर्मधाउयेसल रुवंवक्रामि॥पाजाकृरिलरुवंयेसभीयंकृर्विगंगथा॥मृरिकाउष्टिकाकाकुंभी
 युंसविग्रहननं॥॥॥ष्टिकाविविधयापिन्नकाष्टकानपि।मृरिकाविविधश्चजास्त्रेनदाधिधाउन्नपि
 ॥॥॥मृरिकाकृसगलेसहस्वसगधपविष्टनं॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि
 न्कमोदयादवाः॥॥॥ष्टिकात्रोपकिंनंकृनं॥सम्प
 न्ममहादवाः॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि
 वदवः॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि
 रिकल्लेकृनं॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि

३०

मांदि सूत्रकृमिवकसंदधानिय॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि
 विग्रकमोश्चसकृता॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि
 द्विनियवकवास्यामादवनासगलेः॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि
 संधुपिगगलेः॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि
 सुनं॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि
 सकमवकुंष्टकायिकगलेसहकृनं॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि
 यकुंष्टकादिस्वगलेयपिगकृनं॥॥॥मृरिकाउगंधापिना॥वि

मुदः॥ द्वादशो आराखवगलेखकं सुवर्णं नचि नकुं॥ गुया दम चका वलिस दमनखनवा। सुदमनग
 लेसा द्व असु थं कन (अलिगं)॥ नन पश्चाद कनिष्ठ (अ) शक निष्ठ गले वापि॥ विन्धम लिष विनं व असु थं स्व
 लिग नच॥ नदप निस्खा वनिः॥ नीस अपमि नायषः॥ स्व आ दिस र्वरू ना (थेः) कनं कुं स
 धुं कं॥ विन्धक म्मा दिय दव चकुं दि कू नथ गगाना सु पया मास मो दन च कु ना वा गता
 अपि॥ पूर्व कायः वत्स द क्रि (ल) वा म नारु प शि म यो रु व वा पि मा य सि द्वि जि ना न पि॥ ग
 चना मा म कि पा तु या ग ल्हा सु थ च कु वि दि कू सु पि नं भ नि क वं॥ स ध म्प न्या मि धे च वि धि वि धन
 क न पि। पु नि ष्ठा रि क नं ज ग्मं स प ध्मा दि लि वि रु वं॥ ॥ स म्भ र् ६ १ १ आ षा ढ क कू व थ क ध न रु

नक प्रपटि १ प्रम न वृ खे न कृ य अ न्ना व न ध दि न कू कू निच क विगु च क विग या दि न श वा॥ ज ज मान स द न व न स क ल्यं
 प जा नं स क व र्णा ज जा वं मा व का न व न नं गा व न न कू श वा॥ थ प्र न प स ग्व न स न क ल स। प न प नि श्री स थ म ग्व न
 उ च क वि प नि १ थं प न प॥ स्व क यां लि वा स थं प जा या या गु न मे लु ल॥ प क र ग वा सि धु ग य॥ स्वा न न न
 स्व स्व क स्य नं व र्ण धा उ द गु वि या य पा थ क्ता य॥ सु ग्व न क ल म म न द व त्वं प जा ध न का म श्रु न क र
 मि हा न प जा क ल द क्ता सि ज व क्ता य॥ म ला वा श्र । उ पा ध्म क म्मा चो वं न पं लो र्धु म्भ नो क र प न प
 धु न का व स्व क्ता हा व क्ता व। म ला वा श्र न लं ख व लि पा ट १ वि य प जा या य॥ सा हा व वा व स दि ग सं वि दि ग सं
 द थ व क सं पि थ व क सं॥ हा व नां प जा॥ ज प म रुं क्रा पा या हा गु रि स स्व स्यं उ मिं या य मा व॥ थ लि का हा व या

सगवकदिया

अवलि विद्या ॥ स्नान कर्मा ॥ अनाक व आशिर्वी ॥ सग्वन कय ॥ दक व अ न पूजा ॥ क म हि प क ॥ पं लां घ मु न ॥ म ना
 क व ॥ वि ग र्ज न व लि छु य ॥ क ल म क य म ल स थ नि ॥ ॥ म नि पू रि स स ग्व न पा न र थ ॥ पिं श १ द य कं
 पूजा ॥ स क्त य शो क ॥ नि च क वि गु रि नि स र्जि स
 १ स ग्व न ८ न न ओ षा ट क पू स फ मि त्र व नि न क
 च क वि ग या दि न श ॥ ॥ ऊ रू मा न मो मो न प र
 स म क्तं सा म गी ऊ रू मा न या ॥ प र्व व न क व स पू जा नि च क वि गु रि नि छं श ॥ सा हा वा य ८ थं ग्व ८ ला व ना
 ऊ प म रु प थ म च क वि ग या वि धि स स्त स्यं या य श ॥ ॥ म नि पू रि स क्रा पा या छं श ॥ ३ ॥

पञ्चकनिका
कान्त्यां

१ सप्तम ८११ आषाढ कृष्ण नवमि रवनि न कृष्ण मिथ्या ग आदि सवा वध दिन स पन गु विव क विनया दिन
शुभ ॥ ऊऊ मान गु धिन व घ ल व द अ सं व द शुभ ॥ पूजा विधि मा न की स क व र श ऊ ऊ वं मा र की ऊऊ मा
नयां ॥ क न स पूजा ऊ वं ॥ दि ग या वि वि दि ग या ॥ भ म यां ॥ ला व ना आ पा नी आ हा सि पूजा ॥ ऊ प स
म सं क्ता पा या र्थ शुभ ॥ ॥ भ नि प रि सं क्ता
पू र्ण सिंघ टि १ पु ने का द भि क्क र्णिका न कृष्ण व
दि न शुभ ॥ ऊऊ मान सि र्व मू गु वि या व द श शुभ ॥ पूजा र व वि धि स क्ता व श ऊ ऊ वं मा र की ऊऊ मान
या ॥ पूजा क न स पूजा ऊ लं स म सं क्ता पा या र्थ नं शुभ ॥ नू प ल अ हा प रं ८ प र व रं ८ न प निं १३ डि म

गणेशविद्या

स्वरुपा कंडु निंड निंसाव ॥ भक्तिपूत्रि संड निं विधि ॥ ५ ॥ सप्तम ८११ आषाढ कृष्ण जकाद भिद्य टि १ पुडा
दभिगोहि निन कृष्ण गधयाग वृक्ष वावा ॥ कर्कट संका नि ॥ थक ड्रे षु न मु विव क विनया दिन रुथा ॥ रुजमा
जजमान ववा हात्रया स क ल्यं ॥ पूजा कल भय पूजा
॥ झापाया (थं) भाप व प स ग्वन क व स म ग थामः ॥ ४ ॥ म ग ४ चक विपे मि १ थाम प व पं स क स्यं ० ३३
वा स्यं पूजा या य पु व म धु ल ॥ प क ग वा स धन ॥ सिधु ग य स्वा न ग न स मा धि ॥ क ल स स ग्वन म ग
द व त्वं पूजा धन का व क व मि या थार व रु न प जा ॥ झा व द क ल ॥ स व वा स ग न की सि व व झा या ॥ महा दा
न वा क अ या दि पु व प ॥ (थ) लि स व स म न पं ला य मु ग ॥ ग न क व ॥ ध का व स व स ॥ अप द न ध व ॥ हा व ॥ म

गणेशविद्या

लाचार्य नलं ख व लि पाट १ विय ॥ दिग विदिग सा हा वा व सं ॥ थाम सं हा या (थं) पूजा या य ॥ धन का व क टं का व
॥ का हा व या व थ व २ आ स न सें वा प्र म हा व लि विय ॥ व लि प जा ॥ वा कु पूजा ॥ स्वा न ग न उ मि ग ना क व आ मि या
न स ग्वन ग या द क ल व न प जा ॥ पं ला यं मु ग मः ॥ ना क वा वि ग र्ज न ॥ व लि कृ या ॥ भक्तिपूत्रि सं ड
पाया प रि मान (थं) पूजा ॥ ५ ॥ सप्तम ८११
मिलन कृष्ण वृद्धि या ग व ड वा व थ क ड्रे मे न मु
व या व न्द म ॥ पूजा विधि मा व कां ॥ स क वं शा ज या न सा म गी मा व की रु ज मान यां पूजा क ल भय पूजा की वं ॥ का
नं थ अन व क वि सं भक्तिपूत्रि सं झा पा या प रि मान (थं) पूजा ॥ स म या व क ग ल व क ॥ नि ड्रे कृ व क वि

पञ्चाङ्ग

पञ्चाङ्ग

नययाविधि॥ १ ॥ उषःकृत्यागुविचकविगयादिनशुभा॥ ऊजमानलमानवदंभा॥ पूजाकलपूजाविधि॥ मा
नका॥ सप्तमशुभायागमावकासमस्तऊजमाननगावनागक॥ पूजाकाशंशसचकविसंभान्निपविसंहा
पायापविमानथंशुभा॥ ऊजमानविचकविगया ॥ निपनकंपूजायानिपनकंपूजायाछाशुभा॥
॥ ८ ॥ धंमनिदिनसत्रावाटकपूगयादभि यनि४पुवतुईभि।मृगनिपनकंपूगयादभि ३४
घटि५पुवयाद्यानयागवहस्पनिवावधदिन कऊगुगुविचकविगयादिनशुभा॥ ऊजमान
मसनवावयासाहगा॥ पूजाकलपूजाकलं सप्तमशुभायागमावकासमस्तऊजमाननगावनागक॥ पूजायाय

पञ्चाङ्ग

पञ्चाङ्ग

कानंशसचकविसंदिगंविदितासंभामसंहापायाथंशुभा॥ २ ॥ उषःकृत्यागुविचकविगयादिनशुभा
॥ ऊजमानवगलवदंभा॥ पूजाविधि॥ सप्तमशुभायागमावकासमस्तऊजमाननंदयक॥ पूजाकलपूजा
काशंशसचकविसंदिगंविदितासंभामसंहापायाथंशुभा॥ पूजाकलपूजा
वशनिपनकंपूजायाछाशुभा॥ ऊजमानविचकविगया ॥ निपनकंपूजायाछा
दंभीघटि११पुजमावातिआडावकगुवाद्य
विगयादिनशुभा॥ ऊजमानजगुवाहावया॥ अष्टमहामलिशमलिश।धंश॥ पूजाविधि॥ सप्तमशुभा

विमलिन्या

ज्ञानं सावका ज्ञमान्यां रुभा ॥ पूजा कलसपूजा ज्ञानं पूर्ववत् विधि ॥ सा सथाहा ज्ञानवहा पाया हापविमान
 र्थादिगं विदिगं संधामयां उतिंयायमात्र रुभा ॥ धनका ॥ कोहा ज्ञानवधव र्था सन सथाहा ज्ञानवलि वि
 या पूजायाय ॥ वास्तु पूजा ॥ स्वाजनना ॥ मुनिना
 दकृत् ॥ धन पूजा ॥ कयभातिपका वनिष्ठया ॥ स
 ॥ नि ॥ ११ ॥ आषाढ कृष्ण अमावासीय टि १५
 कृष्ण हर्षनशागद्य टि १५ पुवज्याग ॥ अनिश्चयत्रा यथादिन स हिमनिगु विचक विनयादिन रुभा ॥
 पूजा विधिकलसपूजा ज्ञानं ॥ निचक विनया गु विम स्वस्य स मस्कं मल पूजां या संधिगं विदिगं संधामसं

33

विमलिन्या

कोहा वयावका नं सान्निपत्रि संपूवाक क मल रुभा ॥ ज्ञमान ॥ सिगुव द पक ज्ञानं रुभा ॥ नात्रो वेक क सावका
 ज्ञानिसं रुभा ॥ साहा वयाव सनयं सावका उतिंमात्र ॥ ॥ सधन ॥ नगधा वल गु कृष्ण निपदा पाषाण क
 रुवज्याग आदि स्ववात्रयाद्य टि १३ विहाववादि
 ज्ञमान रुभा ॥ पूजाया ससमसं पथमव
 सावका पूर्वक विधिक मल रुभा ॥ ॥
 र्थावला गु कृष्ण निग्या मद्यन रुगुवादि पाक याग ज्ञानवाव कृष्ण स्ववसाहा वरयादिन रुभा ॥ पूजा विधि ॥
 सधन रुभा ॥ ज्ञमान ज्ञमवगालि याव रुभा ॥ पूजा विधि पूर्ववत् कलसपूजा ज्ञानं ॥ लपल ज्ञान पल ॥

धामरवर्ग
रत्नाया

शगवकुनिंथा॥ दकासकाथचकविगययाग। दकासथथकिमखगुत्रिवकविगययागकाथवथथवनिगुविमङ्ग
यायमात्रसुसुपनविधिससुस्ययायनपत्रअहपलधामपनिगंशमाय॥ ॥ वकविद्वकवि१ निवकवि
श्वकविग ३ पेगया ४ दानया ५ पूगया ६ दसगया ७ ग्या गया ८ गुगया ९ किगया १० किमङ्गगया ११ वकविगि
मनिगयां वकविथलायज्जमानया पूजायज्जमान
पलगया॥ व्यापारिहागपूजा अरत्रपूजा सित्रवक्रास्यं नयीदयकायकत्रसपूजायायनपगियां॥ नूपलअह ३३
सगुनगया। दक्रुधपूजा॥ भाकिप्रिसंथापिंश १ सगं पाशदयकंपूजा॥ समवराजथनिवकविगयविधि॥ थनिगप
निंअंवसाहावयाचस्वथगययार्गमाय॥ ॥ सम्वन ८११७ अवलनुकुचथकपर्वरुगुतिनक्रवलिपान

यागवद्ववायकद्रु कनधामखजालागयादिनइ ॥ पूजासमसं द्वापायासुसुपन(थं)॥ पंचरत्नपल्यडगिं॥
कलसपूजाजावंमलस॥ ॥ भाकिप्रिस द्वापायापविमान(थं)इ ॥ ज्जमान॥ जयपकाभमल॥ वलिखा
थनगयायांद्यथुकालगयायांपूजामुखाय॥ ॥ ॥ सम्वन ८११७ राडवकृष्णपुष्प
निश्रवायधकद्रुस्यगुयायागससखात्रद्वचिदुनवी दगुविनालाभासत्रवलिनसदावंगलसंवागक
यसमसानमानजनकंगय॥ ॥ (थं)लिवषाथ यंगरुतिदचसुंवापाविनजाकागव॥ गुवाहायं
कुंकिलामयागक॥ ॥ गुरुसम्वन ८११७ राडवकृष्णसफमित्रादित्यवात्रयायागिससगुयागसगुग
यसंचकासिकायायेनपत्रवन्विधिसंयद(थं)गिसमानकाकमयादा॥ वलिपाटजविथा॥ वाकुमन

प्रागुक्तं ॥ वासुदेवाविस्वकर्मापज्ञावादानर्कः ॥

वयकाभिधयोः दिनशुभा ॥

॥ धर्मसिद्धिद्वयकासिकवयकं हयावसिद्धिं मलुलयात्रिवन (धनकावल

स्वयावसिद्धिं जाग्रादाववाहनसकलां धर्मका

लस्वयविधिसकलां सगुयाश्च धृतिनिर्लस्यसां

होपां द्विधकं याविधि (धर्म्याभवालिनिविद्यावि

पञ्चया ॥ ॥ गुरुसम्पत्तु ८०० आश्विनिर्गुक्ते १२ द्वादसिपूर्ववर्गद्वयकाववाघाटयोगस्यमवात्रकद्वयसगुयायाः

नूदादिनशुभा ॥ मूलगश्रियां स्त्रीमालवास्वानगुगश्रियां चरामनिमृष्टयकं मंदयकं पूर्ववर्गविधियाक

॥ लाडवकषु अस्मिन्मवात्रकद्वयविधिसात्रकीयादाः

वधनं विप्रस्वयासम्पत्तुधनिविपनधियमान ॥

द्वकायास्तान्वा नमो वाव रुधा ॥ धनदयकाशुभा ॥ ३१

धि (धयादावन्वा सवलिक्रायाया धर्मसंनयक

॥

॥

॥

नदासंघलनूदा ॥ अस्मादुनिगाधनकावसरूपयधर्मापनिष्ठाया दा गस्त्रात्रनानव्वनविधि (धर्मपूजायादावदा

द्वसखंसस्त्रानूदा ॥ ॥ ह्योपां न्याभवालिनिविद्याविधि (धर्म्याभवालिनिविद्याविधि (धर्म्याभवालिनिविद्याविधि

नन्याभवालिनिविद्याविधि (धर्म्याभवालिनिविद्याविधि (धर्म्याभवालिनिविद्याविधि

ययन्याभवालिनिविद्याया द्विधं द्विधं धर्म्या ॥ ॥

॥ नोकाधर्मेकत्र निष्कसिनज्ञानकावद्वयगुरुं

नकिनिंतात्रानसावाव ॥ नागुवाहानकभग्ननदयावमकटनपयावाकजशादावद्यवृथादावकजधुवि

कायावधपासथदावावसात्रायावास्वीस्त्रिवाक् महीलास्त्रिगुणपत्रपाव ॥ नास्त्रिउखर्वीणात्रावगायत्राक

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

दाहस्त्रीहारावसनानंमथियकवदिनिनपिनहयासखागमर्थकविष्पकसखागमदवपात्राककुरुमखद
 वावगात्रमात्रिपगुवासिगमत्रजडानागककजकथंययफुवेयदस्ययदावमलदवयाहवनक्रिमगयाकासप
 श्विम^ममैलमधुलयावविनंथापनायाहाजमूद
 मद्यलंनेदुकवमनागद्य॥मनावात्रउपाध्याक
 थापवपं॥रायकलियापडाहवथनकाव॥म
 वरुनदस्यसकस्यनंगुत्रमधुलालेखवलिदिगपडावलिपागश्रवियाविधिथंपडायाय॥पकगवस
 धा॥सिधुनयकिगका॥किव्वीविय॥अष्टसहविकापाथयाक॥मधुलविज॥लेखवलिहय॥वलिपाग१

लेपधेवासीजोकिगसी॥सखनपक्षकत्रमन्या
 म्पोदिगवात्रयार्नलंखेवनिमलवलिननिव
 लाचार्योदिनदिगवात्रकमनी॥७वासीकसाय

३८

कनिखिजव्वरुसिदयानत्रावसर्क१दात्रखासूनायहेसखज॥मधुलथियकपडाश्रयरुसिदायावात्र
 सजनेरुगकनयमात्रमित्रजकात्रिनहया॥थंमिरुसवारन॥धालिसकस्यनवजधाउदगुत्रियाय॥स
 वनमनजोगद्यन्यामद्यत्रविधिथंपडाधनकाव॥
 वरुधमापनिष्ठापधमध्वकसनानंथियमद॥
 याकनिसांहाकसकंयडागात्रलजानावथनयं
 राश्रपमखंदिगावात्रपनिस्थनंगायअरुगद्वारुनसीलाकसीवज्जद्वनमवटनपस्यकभयग
 नदस्यमलकमलयांदिगावात्रदिगाश्यानासपिकायागुत्रिमर्तुमदानकहृदयमर्तुजपयायधन

हाकदवयाक॥उपाध्यानधपथनडानपेकद
 न्यामद्यलमधादपकविंमनिकापियावमलद
 कावरुटकिवागासविदावकागहयावमला
 लाकसीवज्जद्वनमवटनपस्यकभयग

काव मलावाश्च अपददाव वज्रघण्टासां थस्यं वज्रसं विकासां अदाव द्वादशवयार्कं नायनयय ॥ खानक्यय ॥
 जपयादागुविं ॥ थं लिन्नामद्य न स्यादुल्लेखं द्वादशसं थकादिं रगक ॥ आयनकावरुट विवागासं लयका
 नहया अशुशया नत्रागान नस्यं मलावाश्च पुम
 अग्नेस्तुपन अग्नाहनि ॥ दवस्तुस्मि स्वया रावना
 दवपडा ॥ दवगाहनि ॥ पनापच्छय सधिगायसि
 लिविय वलिपूजा ॥ ॥ १ मयहसस हयक ॥ पत्ररुववससं घनपा नखलिह अगपा न १ वा हानरुसिर्क
 १ खजग्वा १ थानेथापिनिव १ खाजसकव ॥ ॥ गरुसखाससगनपा नरथापिंश १ अक्रिसवलिरुवगपा १

३२

वाहान ॥ आयसर्क १ मसर्क १ थनि ॥ चाकपडाखाननने ॥ पृथ्वायाय ॥ जग्धवका ॥ पंलां धं दुन ॥ हागा कव क्रमाप
 न आशिर्वाग ॥ विडा कून सग्वननय ॥ दकलधनपूजा ॥ शशया नचमस्वां ऊरुव कूपेव विंठनिका पुक्कसूयका
 जागं पो वचिसीनय ॥ थलि सकलसं चनखी विय ॥ निवा नवन ॥ सिकेवमि क विहालकासं ॥ अषाद
 निविडा कून ॥ वलिच्छय खासिवलिया ह ॥ अरवा
 हवनवलि आहार्से नय ॥ भक्तिपुत्रिससगनपा
 म्वाल ॥ स्वां गनद कलपूजा ॥ आ ॥ सैचि ॥ समच ॥ शाऊ ॥ मिलकाय पवो क कथं रुमी ॥ थलिस्यगुया थकावि

न. कानल जानकी ॥ वस न न उदक वस जानकी ॥ ना कणुवाहा न भवणुवाहा न नायकाहा न वायदयकी अहा
 वना जाया न उदक लभ न वक्राय शश्या न पुमान या न उपाधा शश्या न स्नान न यथ निपुण क द्रु शरी
 ॥ थगु निप न के स शश गय प को म म ल स ग थ अहा म विष्णु ॥ भानि क द्रु क उ थी म ल भ क ल स प
 जा जायी ॥ भानि प नि स न या सि वा जायी ॥ ॥ थ नि न्या भ न दा या विधि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 पं व नाल न उ क या उ रु ला ॥ ॥

४०